श्याम की नज़र | By Master Pancham

जिसकी कलाई थाम ली फिर उसको कैसा डर
वो खुशनसीब जिसपे मेरे श्याम की नज़र

दुनिया की दुनियादारी में खुद को न फसा
है सच्चा साथी सांवरा इसे दिल में तू बसा
इसे दिल में तू बसा, इसे दिल में तू बसा
तेरी नाव पार कर देगा जो अटकी कहीं गर
वो खुशनसीब जिसपे मेरे श्याम की नज़र

खाटू की कशिश है अजब जो खींचे अपनी और
हारे का सहारा है दुनिया में मचा शोर
दुनिया में मचा शोर, दुनिया में मचा शोर
पलकों पे बिठाया उसे जिसने झुकाया सर
वो खुशनसीब जिसपे मेरे श्याम की नज़र

चरणों में इसके जाते ही मन का सुमन खिला
पंचम ने जो ना सोचा था वो भी उसे मिला
वो भी उसे मिला , वो भी उसे मिला
बस आखिरी है इच्छा रखले मुझे चाकर
वो खुशनसीब जिसपे मेरे श्याम की नज़र

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-by-master-pancha/